

प्रेषक,

एल०एम० पन्त,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

समस्त अधिशासी अधिकारी,
नगर पंचायत, उत्तराखण्ड,
(संलग्न सूची के अनुसार)।

वित्त अनुभाग-1

देहरादून :: दिनांक: 16 मई, 2008

विषय:- द्वितीय राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों पर लिये गये निर्णय के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 हेतु नगर पंचायतों को धनराशि का संक्रमण (प्रथम त्रैमासिक किश्त हेतु)।

महोदय,

उपर्युक्त विषय पर मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि द्वितीय राज्य वित्त आयोग, उत्तराखण्ड की संस्तुतियों के आधार पर राज्य सरकार द्वारा लिये गये निर्णयानुसार प्रदेश की 27 नगर पंचायतों को सलंग विवरण के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 की प्रथम त्रैमासिक किश्त हेतु रु 36365000.00 (रु० तीन करोड़ तिरसठ लाख पैसठ हजार मात्र) की धनराशि संक्रमित किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष रवीकृति प्रदान करते हैं।

2- उपर्युक्त धनराशि निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिवन्धों के अधीन संक्रमित की जा रही है:- (1) संक्रमित की जा रही धनराशि को कोषागार से आहरित करने के लिये बिल सम्बन्धित जिलाधिकारी द्वारा प्रति हस्ताक्षरित किया जायेगा। संक्रमित की जा रही धनराशि का उपयोग शासनादेश सं०-1674/XXVII/(1)/2006 दिनांक 22 नवम्बर 2006 द्वारा निर्गत मार्गदर्शक सिद्धान्तों के अन्तर्गत किया जायेगा। इस धनराशि से किसी प्रकार का व्यावर्तन/समायोजन अनुमन्य नहीं होगा।

(2) नगर विकास विभाग संक्रमित धनराशि के नियमानुसार उपयोग की समीक्षा करेंगे तथा इसके समुचित उपयोग के लिये उत्तरदायी होंगे। कोषागार से आहरित धनराशि का बाउचर संख्या तथा दिनांक की सूचना महालेखाकार, उत्तराखण्ड एवं शासन के वित्त विभाग को भेजेंगे।

(3) निदेशक, शहरी स्थानीय निकाय निकायों को आवंटित धनराशि के समय से उपयोग हेतु उत्तरदायी होंगे।

(4) शासनादेश में वित्त विभाग द्वारा निर्धारित विशिष्ट शर्तों का अनुपालन विभागीय अधिकारी/वित्त नियंत्रक/मुख्य/वरिष्ठ/लेखाधिकारी अथवा सहायक लेखाधिकारी जैसी भी स्थिति हो, सुनिश्चित करेंगे। यदि निर्धारित शर्तों में किसी प्रकार का विचलन हो तो

वित्त नियंत्रक इत्यादि का दायित्व होगा कि उनके द्वारा भासले की सूचना पूर्ण विवरण सहित तुरन्त वित्त विभाग को दी जायेगी।

3- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्ययक की अनुदान संख्या-07 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक -3604-स्थानीय निकायों तथा पंचायती राज संस्थाओं को क्षतिपूर्ति तथा समनुदेशन-आयोजनेतर-01-नगरीय स्थानीय निकाय-193-नगरपंचायतें/नोटीफाइड परिया/ कमेटी आदि-03 राज्य वित्त आयोग द्वारा संरक्षित करों से समनुदेशन-00-20-सहायक अनुदान/ अंशादान/राज सहायता के नामे डाला जायेगा।

संलग्नक:-यथोपरि।

भवदीय,
16/5/2008
(एल0एम0 पन्त)
अपर सचिव

संख्या:- ३४२ (1)/XXVII(1)/2008 तददिनांक।

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- सचिव, नगर विकास विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 3- मण्डलायुक्त, गढवाल/कुमायूँ उत्तराखण्ड।
- 4- निदेशक, शहरी स्थानीय निकाय निदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 5- समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 6- निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाये, देहरादून।
- 7- समस्त मुख्य/वरिष्ठ/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 8- विभागीय अधिकारी/वित्त नियंत्रक/मुख्य/वरिष्ठ लेखाधिकारी/सहायक लेखाधिकारी जैसी भी स्थिति हो।
- 9- निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड।
- 10- एन० आई०सी०, सचिवालय, उत्तराखण्ड, देहरादून।

आज्ञा से,
16/5/2008
(एल0एम0 पन्त)
अपर सचिव

शासनादेश संख्या: ३४२/ XXVII (i) / 2008,
दिनांक: १८ मई, 2008 का संलग्नक।

द्वितीय राज्य वित्त आयोग, उत्तराखण्ड द्वारा संस्तुत अनुदान के अन्तर्गत
वित्तीय वर्ष 2008-09 हेतु नगर पंचायतों को प्रथम त्रैमास के लिए संक्षिप्त
धनराशि।

(धनराशि हजार रूपयों में)

क्र० सं०	शहरी स्थानीय निकाय का नाम	प्रथम किश्त हेतु अवमुक्त संक्षण
1	2	3
1-नगर पंचायत		
1-	बड़कोट	3125
2-	नन्दप्रयाग	468
3-	कर्णप्रयाग	2893
4-	गोचर	2447
5-	मुनिकीरती	1583
6-	कीर्तिनगर	468
7-	चम्बा	1024
8-	डोईवाला	904
9-	हरबर्टपुर	2161
10-	कालाढूगी	625
11-	भीमताल	911
12-	लालकुआ	1183
13-	दिनेशपुर	1849
14-	सुल्तानपुर	798
15-	केलाखेड़ा	1297
16-	शाकिंगढ़	964
17-	मुहुआ खेड़ा गंज	738
18-	महुआडाबरा	937
19-	द्वारहाट	1549
20-	डीडीहाट	891
21-	धारचूला	2554
22-	चम्पावत	937
23-	लोहाघाट	1057
24-	झबरेड़ा	732
25-	लण्डोरा	1251
26-	लक्सर	2188
27-	देवप्रयाग	831
योग		36365

(रु० तीन करोड़ तिरसठ लाख पैसठ हजार मात्र)

16/5/2008
(एल०एम० पन्त)
अपर सचिव, वित्त।